एक दिन में ही निबटे 102 मामले

मंत्रालय में वीडियो कांन्फ्रेसिंग के जरिए सुनी गईं समस्याएं

नेशनल लुक न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा यहां मंत्रालय में वीडियो कांन्फ्रेसिंग के जरिये भी आम जनता की विभिन्न समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। जिला मुख्यालयों के साथ मंत्रालय के जनशिकायत निवारण विभाग को वीडियो कांन्फ्रेसिंग की अत्याधुनिक संचार प्रणाली से जोड़ा गया है। पुराने सोलह जिलों के कलेक्टर कार्यालयों में वीडियो कांन्फ्रेसिंग कक्ष स्थापित किए गए हैं, जहां आम आदमी अपनी किसी भी समस्या को लेकर मंत्रालय के अधिकारियों से सीधे आमने-सामने बात कर सकता है। इसके लिए प्रत्येक शासकीय कार्य दिवस में प्रतिदिन पूर्वान्ह ११.३० बजे से डेढ़ बजे तक का समय निर्धारित किया गया है और जिले वार अलग-अलग दिन भी तय कर दिए गए हैं।

जनशिकायत निवारण विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि पिछले मार्च के महीने में विभाग में विभिन्न जिलों से ११२ शिकायतें वीडियो कांन्फ्रेसिंग के जरिये दर्ज की गई। इनमें से १०२ प्रकरणों का निराकरण किया गया। नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी एवं पंचायत राशि की अफरातफरी की शिकायतें भी शामिल हैं। कोरिया जिले के एक विधवा महिला की शिकायत पर एक व्यक्ति को लूट के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

भिलाई सेक्टर एक (जिला दुर्ग) निवासी रूपेन्द्र कुमार बंजारे ने वीडियो कांन्फ्रेसिंग में आकर अपनी शिकायत में बताया था कि एक व्यक्ति ने मंत्रालय में नौकरी लगाने के नाम पर उनसे डेढ़ लाख रूपये लेकर धोखाधड़ी की। इसी तरह की शिकायत न्यू पुलिस लाइन दुर्ग निवासी पोखनलाल महिलेविर ने शिकायत की थी कि एक व्यक्ति ने पुलिस में भर्ती के नाम पर दो लाख रूपये ले लिये हैं। दोनों शिकायत कर्ताओं के मामलों को मंत्रालय के अधिकारियों ने गंभीरता लिया और प्रकरण पुलिस को सौंप दिए गए। इनमें पुलिस द्वारा विवेचना की जा रही है। इसी तरह कोरिया जिले के ग्राम पेंड्री (चिरमिरी) निवासी श्रीमती फुलबसिया बाई ने वीडियो कांन्फ्रेसिंग में आकर मंत्रालय को सूचित किया था की दक्षिण पूर्वी कोयला प्रक्षेत्र लिमिटेड (एस.ई.सी.एल.) में कार्यरत उनके पति की मृत्यु के बाद कम्पनी से प्राप्त दो लाख २० हजार रूपए की सहायता राशि एक गुण्डे द्वारा लूट लिए गए। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस को त्वरित कार्रवाई के निर्देश मंत्रालय से जारी किए गए। जांच रिपोर्ट में थाना प्रभारी पेंड्री के हवाले से बताया गया कि अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है। इसी तरह बस्तर जिले की ग्राम पंचायत सरगीपाल (विकासखण्ड-बकावण्ड) के रणधीर सिंह ठाकुर ने गांव में नल-जल योजना का कार्य पिछले छह महीने से बंद रहने की शिकायत की थी।